सिद्ध क्षेत्र

श्री कैलाशगिरि

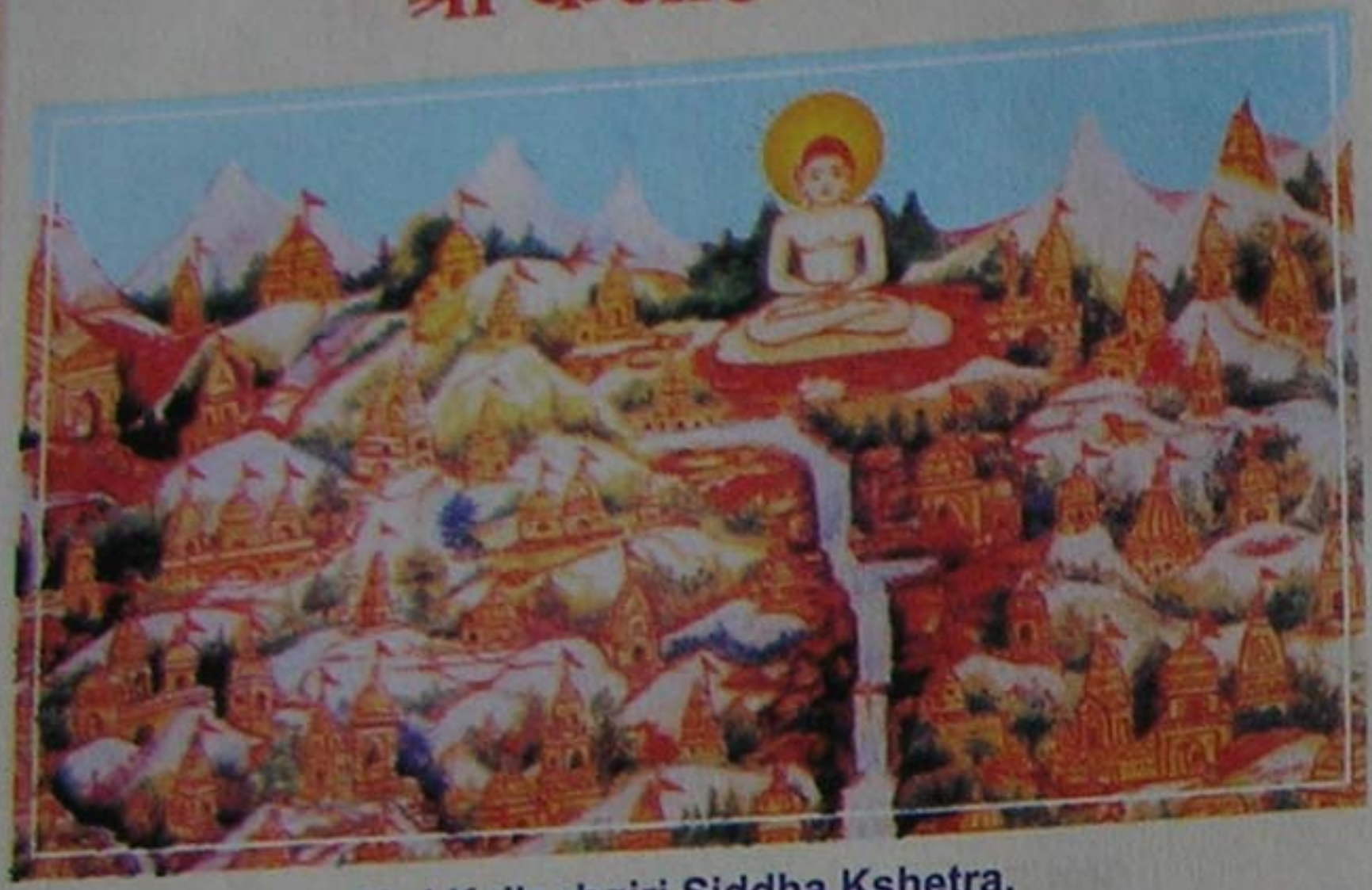

Shri Kailashgiri Siddha Kshetra.

अर्घ

माघ असित चउदश विधि सैन, हनि अघाति पाई शिवदैन।
सुर नर खग कैलाश सुथान, पूजैं मैं पूजूं धर ध्यान॥
ऋषभ देव जिन सिध भये, गिर कैलाश से जोय।
मन वच तन कर पूजहूं शिखर नमूं पर सोय॥

ॐ ह्रीं श्री कैलाश सिद्धक्षेत्र परवत सेती माघ सुदी १४ को
श्री आदिनाथ तीर्थंकरादि असंख्य मुनि मुक्ति पधारे
अर्घं निर्वापामीति स्वाहा।